जाग उठा हमारा आजाद हिन्दुस्तान

4 अक्टूबर 2022

बाढ़ और अतिवृष्टि से हुए फसलों के नुकसान पर किसानों को अंतरित किए 202.64 करोड़ रूपये

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रभावित जिलों के किसानों से बातचीत भी की

भोपाल ■ जसं

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि इस मानसून में अधिक वर्षा के कारण जहाँ शहरी क्षेत्र में व्यवस्थाएँ प्रभावित हुईं, वहीं ग्रामीण अंचलों में किसान वर्ग को अतिवृष्टि के कारण बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार ने सहायता पहुँचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बाढ़ एवं अतिवृष्टि से प्रभावित रहे प्रदेश के 19 जिलों विदिशा, सागर, गुना, रायसेन, दमोह, हरदा, मुरैना, आगर-मालवा, बालाघाट, भोपाल, अशोकनगर, सीहोर, नर्मदापुरम, श्योपुर, छिंदवाड़ा, भिंड, राजगढ़, बैतूल और सिवनी जिले के प्रभावित किसानों के खातों में 202 करोड़ 64 लाख रुपये की सहायता राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। अतिवृष्टि एवं बाढ़ प्रभावित जिलों का प्रभावित रकबा लगभग 2 लाख 2 हजार 488 हेक्टेयर है। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। प्रभावित 19 जिलों के कलेक्टर्स और किसान वर्चुअली शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संकट के समय प्रभावित व्यक्तियों को सहायता पहुँचाने, आम जनता को तकलीफ की स्थिति में जरूरी सहयोग देने के लिए राज्य सरकार तत्पर है। बाढ़ और अतिवृष्टि के समय आवश्यक आपदा प्रबंधन किया गया। संकट के समय प्रशासन के साथ जन-प्रतिनिधि भी सक्रिय रहे।

किसी की जान न जाए, अन्य परेशानियाँ भी न हों, यह सुनिश्चित किया

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में कुछ जिले अतिवृष्टि से प्रभावित रहे। राज्य सरकार ने ऐसी स्थिति में सभी जरूरी व्यवस्थाएँ कर यह सुनिश्चित किया कि जहाँ अतिवृष्टि से किसी की जान न जाए, वहीं किसी को अन्य परेशानियों का भी सामना नहीं करना पड़े। जहाँ बाढ़ की स्थिति थी, वहाँ से लोगों को रेस्क्यू कर राहत शिविरों और सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बाढ़ का पानी उतरने के बाद ग्रामों में जमा मलबा साफ करवाने, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करने और अब किसानों को हुई क्षति पर सहायता राशि पहुँचाने का कार्य किया गया। फसलों की क्षति का सर्वे करवा कर ग्राम पंचायत में सूची भी प्रदर्शित की गई थी। मकानों के क्षतिग्रस्त होने और घरेलू सामग्री के नुकसान और पशु हानि के लिए पहले 43 करोड़ 87 लाख रूपए की राशि वितरित की चुकी है। आज 1 लाख 91 हजार 755 कृषकों के खाते में सहायता राशि अंतरित की गई है। पारदर्शी तरीके से हितग्राहियों के बैंक खातों में पैसा जमा किया गया है। इसके पहले राजस्व, कृषि, उद्यानिकी और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों के संयुक्त दल ने सर्वे कार्य किया था।

मुख्यमंत्री की जिलों के हितग्राहियों से बातचीत

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रभावित किसानों को राहत राशि का अंतरण कर कुछ हितग्राहियों से चर्चा भी की। इनमें विदिशा जिले के श्री मनमोहन सिंह दांगी, सागर के श्री संजीव विश्वकर्मा और गुना जिले के श्री रंगलाल शामिल हैं। हितग्राहियों ने बताया कि सर्वे कार्य के संबंध में सहायता राशि की मंजूरी के लिए चक्कर नहीं लगाने पड़े। सर्वे का कार्य ईमानदारी के साथ समय पर पूरा किया गया।

राशि अंतरण कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े राजस्व मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान किसानों की पीड़ा समझते हैं। वे गरीबों के लिए सदैव ढाल बन कर खड़े रहे हैं। इस मानसून में प्रदेश में 23 औसत वर्षा हुई है। प्रदेश के तीन जिले अत्यधिक वर्षा और 26 जिले अधिक वर्षा की श्रेणी में हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में प्रभावित परिवारों को राजस्व पुस्तक परिपत्र के प्रावधान के अनुसार बिना देर किए जरूरी सहायता देने का कार्य हुआ है।

8 से 12 रुपये प्रति किलो महंगी हो जाएगी सीएनजी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सरकार द्वारा प्राकृतिक गैस की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि के बाद सीएनजी की कीमतों में 8-12 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ोतरी होने की आशंका है। इसके अलावा घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाली पाइप गैस पीएनजी के दाम भी बढ़ सकते हैं। बाजार विश्लेषकों ने सोमवार को कहा कि इसमें 6 रुपये प्रति यूनिट की बढ़ोतरी हो सकती है। सरकार ने पिछले हफ्ते पुराने क्षेत्रों से मिलने वाली एपीएम गैस की कीमतों को 6.1 अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 8.57 अमेरिकी डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट कर दिया है। कठिन क्षेत्रों से उत्पादित गैस की दरों को 9.92 अमेरिकी डॉलर प्रति एमएमबीटीयू से बढ़ाकर 12.46 अमेरिकी डॉलर कर दिया गया है।

महंगी हो जाएगी गैस

एपीएम गैस का देश के कुल गैस उत्पादन का दो-तिहाई हिस्सा है। इस गैस को ऑटोमोबाइल के लिए सीएनजी में बदला जाता और खाना पकाने के लिए घरेलू रसोई में इस्तेमाल किया जाता है। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने कहा कि एपीएम गैस की कीमतें सिर्फ एक साल में लगभग 5 गुना बढ़ गई हैं। ऐसे में इसमें होने वाली प्रत्येक अमरीकी डालर प्रति एमएमबीटीयू मूल्य वृद्धि के लिए, सिटी गैस वितरण (सीजीडी) संस्थाओं को सीएनजी की कीमत 4.7 से 4.9 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाने की जरूरत है। 2.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू मूल्य वृद्धि और हाल ही में रुपये की कमजोरी को देखते हुए सीजीडी में तत्काल सीएनजी मूल्य में 12-14 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की आवश्यकता होगी।

दिल्ली में क्या होगी कीमत

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का मानना है कि पाइप्ड कुकिंग गैस पीएनजी की ऊंची इनपुट लागतों के प्रभाव को सीमित करने के लिए सीएनजी की कीमतों में 6.2 रुपये प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर और 9 से 12.5 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि करने की आवश्यकता होगी। जेफरीज ने कहा है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सीएनजी और पीएनजी की खुदरा बिक्री करने वाली कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड को सीएनजी की कीमत 8 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाने की जरूरत होगी, जबकि मुंबई में खुदरा विक्रेता महानगर गैस लिमिटेड को कीमतों में 9 रुपये की बढ़ोतरी करनी होगी।

हेलमेट धारण न करने वाले दो-पहिया वाहन चालकों के विरुद्ध होगी सख्त कार्यवाही

भोपाल ■ जसं

दो पहिया वाहन पर हेलमेट धारण नहीं करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध मोटरयान अधिनियम की धारा 128 एवं 129 में सख्ती से कार्यवाही की जाएगी। आगामी 6 अक्टूबर से विशेष अभियान चलाया जाएगा। दो पहिया वाहन चालक के साथ वाहन के पीछे बैठने वाले को भी हेलमेट लगाना होगा। राज्य सरकार ने निर्देश जारी किए हैं। जबलपुर उच्च न्यायालय ने दोपहिया वाहन चालक और पीछे बैठने वाले (पीलियन राईडर) द्वारा हेलमेट न लगाने को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया और अन्य प्रचार माध्यमों से प्रचार-प्रसार करने को कहा है। निर्देशों का पालन न करने वाले दो पहिया वाहन चालकों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने को निर्देशित किया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस एवं शोध प्रशिक्षण संस्थान श्री जी.जनार्दन ने पुलिस आयुक्त इंदौर, भोपाल और समस्त जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश जारी किए है कि दो पहिया वाहन चालकों और पीछे बैठने वालों से अनिवार्य रूप से हेलमेट लगवाने के लिए हर संभव आवश्यक कदम उठाएँ। एडीजी श्री जनार्दन ने कहा है कि हेलमेट धारण करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलायें और हेलमेट धारण न करने वालों के विरूद्ध नियमानुसार कड़ी कार्यवाही भी करें। इसके लिए आगामी 6 अक्टूबर से लेकर 20 अक्टूबर 2022 तक विशेष अभियान चलाया जाना सुनिश्चित करें। एडीजी श्री जनार्दन ने निर्देशित किया है कि हेलमेट नहीं लगाने वाले छात्र-छात्राओं, कर्मचारियों और अभिभावकों का शिक्षण संस्थानों में प्रवेश निरूद्ध करें। सभी पेट्रोल पम्प पर दो पहिया मोटर वाहन चालकों को हेलमेट धारण करने पर ही पेट्रोल वितरण करें। समस्त होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, मॉल आदि स्थानों पर हेलमेट लगाने पर ही प्रवेश दिया जाए। स्थानीय निकाय जैसे ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका एवं नगर निगम एवं कन्ट-नमेन्ट बोर्ड और ठेके पर वाहनों की पार्किंग में हेलमेट धारण करने पर ही वाहन पार्किंग की सुविधा दी जाएं। एडीजी श्री जनार्दन ने जीवन-सुरक्षा के लिए आवश्यक हेलमेट लगाने को आम व्यक्ति को प्रेरित करने के लिए जन-जागरूकता के विभिन्न माध्यमों का उपयोग करने के निर्देश गए हैं। निर्देशित किया गया है कि प्रचार-प्रसार के लिए ऑटो मोबाईल शॉप, समस्त होटल, ढाबा, रेस्टोरेन्ट, मॉल में फ्लेक्स बैनर लगाकर प्रचार-प्रसार किया जाए।

जन-जन को जोड़ें श्री महाकाल लोक के लोकार्पण समारोह से : मुख्यमंत्री श्री चौहान

पूरे देश में हो आस्था से जुड़े समारोह की अनुगूँज, प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा श्री महाकाल लोक के शिवार्पण के साक्षी बनेंगे प्रदेशवासी, मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ली कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी

भोपाल ■ जसं

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि श्री महाकाल लोक का लोकार्पण समाज को एक दिशा में ले जाने का अद्भुत समारोह होगा। इससे जन-जन को जोड़ने के लिए पूरे प्रदेश में मिल कर प्रयास करने हैं। जिलों में भी उत्साह का वातावरण बना कर नागरिकों को कार्यक्रम के सीधे प्रसारण से जोड़ कर प्रत्यक्षदर्शी बनाने के प्रयास किए जाएँ। लोकार्पण दिवस के संध्या काल में श्री महाकाल लोक परिसर के शिवार्पण के समय हर घर में दीप जलाए जाएँ। प्रत्येक नागरिक को सहभागिता के लिए प्रेरित किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान 11 अक्टूबर को उज्जैन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए जाने वाले लोकार्पण के संबंध में निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा उज्जैन जिला प्रशासन और अन्य जिलों के कलेक्टर्स और जन-प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस अद्भुत कार्यक्रम की तैयारियों के लिए परिश्रम के साथ प्रयास करने के निर्देश भी दिए। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उपस्थित थे। जिलों से मंत्रीगण और कलेक्टर्स वर्चुअल शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभी को महाअष्टमी की बधाई देते हुए कहा कि श्री महाकाल लोक के लोकार्पण से सम्पूर्ण प्रदेशवासियों को वर्चुअली जोड़ने की व्यवस्था की जा रही है। जिलों के प्रमुख मंदिरों में टी.वी. स्क्रीन से आमजन को इस कार्यक्रम को देखने का अवसर मिलेगा। यह मध्यप्रदेश ही नहीं, संपूर्ण देशवासियों के लिए आस्था और सामाजिक एकता से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

जिलों में लोकार्पण कार्यक्रम का प्रसारण देखने के लिए वातावरण बनाएँ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि लोकार्पण समारोह की आवश्यक तैयारियाँ की जा रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 11 अक्टूबर की शाम 6 बजे श्री महाकाल लोक का लोकार्पण करेंगे। यह कार्यक्रम पूरे प्रदेश में मनाया जाना है। इसके लिए जिलों में ऐसा वातावरण बनाया जाएँ, जिससे अधिक से अधिक लोग कार्यक्रम देख सकें। ग्राम के किसी एक मंदिर में सभी ग्रामवासी एकत्र होकर समारोह के सहभागी बनेंगे। शहरी क्षेत्र में वार्डों में भी प्रमुख मंदिरों में कार्यक्रम प्रसारण की व्यवस्था करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ग्राम स्तर पर मंदिरों में 11 अक्टूबर को विद्युत साज-सज्जा हो। वाद्य यंत्र बजें, रंगोली सजाएँ, पताका लहराएँ और प्रसाद वितरण भी किया जाएँ। ये सभी व्यवस्थाएँ जन-सहयोग से की जाएँ। सभी लोग मंदिर प्रांगण में बैठ कर शंख और घण्टियाँ बजाते हुए कार्यक्रम में शामिल हों। देवस्थलों में दीप-मालाएँ जला कर रोशनी की जाए। बड़े मंदिरों में 10 और 11 अक्टूबर को अभिषेक और पूजन किए जाएँ। ऐसे बड़े मंदिरों में भगवान पशुपतिनाथ मंदिर मंदसौर, भादवा माता मंदिर नीमच, जालपा देवी मंदिर देवास, ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग खण्डवा और बैजनाथ मंदिर आगर-मालवा सहित अन्य जिलों के प्रमुख मंदिर और देव-स्थल शामिल रहेंगे। जिलों में भी जन-प्रतिनिधि सोशल मीडिया से आवश्यक प्रचार सुनिश्चित करें।

निमाड़ और मालवा अंचल के नागरिकों की अधिकतम प्रत्यक्ष भागीदारी हो

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि निमाड़ और मालवा अंचल से शिवार्पण कार्यक्रम में सीधे भागीदारी कर सकते हैं। इंदौर और उज्जैन संभाग के प्रत्येक जिले के विभिन्न समाज, धर्मों के गणमान्य नागरिकों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए। जनजातीय समाज को भी इससे जोड़ा जाए। विभिन्न समाज और संस्थाओं के अध्यक्ष, पंचायत प्रतिनिधि, पार्षद, जनजातीय समाज के तड़वी, पटेल, पुजारी, पुजारा आदि को आमंत्रित किया जाए। उज्जैन पहुँचने वाले नागरिक अपने ग्राम, नगर से जल लाकर उज्जैन के रूद्र सागर में समर्पित कर सकते हैं। रूद्र सागर का पुनरूद्धार किया गया है और यह विकसित परिसर का प्रमुख आस्था केन्द्र है।

पाँच वर्ष में फलीभूत हुए प्रयास

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि श्री महाकाल लोक के लिए वर्ष 2017 में योजना बनी थी। वर्ष 2018 में इसे प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। वर्ष 2019 में कार्य रूक गए थे, जिन्हें पुन: 2020 से प्रारंभ कर पूर्ण किया गया है। परियोजना से आमजन को शिव लीला के दर्शन, मूर्तियों और म्यूरल्स से सांस्कृतिक वैभव से परिचित करवाया जा सकेगा। जिस तरह केदारनाथ में बाढ़ के बाद फिर से रचना कर सुविधाएँ विकसित की गईं, काशी विश्वनाथ में कार्य हुए, उसी तरह अब श्री महाकाल लोक में परियोजना के कार्य पूरे कर लिये गये हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस लोकार्पण समारोह की अनुगूँज राष्ट्रीय स्तर पर होना चाहिए। यह समाज को जोड़ने का कार्य भी है। लोकार्पण के पूर्व स्वच्छता के लिए सभी एकजुट हों। प्रदेश में मंदिरों के परिसर स्वच्छ और आकर्षक बनाए जाएँ।

खंडवा में अंधविश्वास का ढोंग

भूत उतारने के नाम पर व्यापारी को जमकर पीटा, तांत्रिक ने बाल पकड़कर घसीटा

खंडवा ■ एजेंसी

मध्य प्रदेश में अंधविश्वास के नाम पर कई ऐसी चीजें देखने को मिलती हैं, जो हैरान कर देती हैं। खंडवा से ऐसा ही मामला सामने आया है। एक तांत्रिक ने कथित भूत-प्रेत बाधा हटाने के नाम पर व्यापारी को भरी सभा में बेरहमी से पीटा गया। कभी गला दबाया तो कभी लात-घूंसे बरसाए गए। बाल पकड़कर घसीटा गया। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। हालांकि मामले में पुलिस को कोई शिकायत नहीं की गई है। जानकारी के अनुसार मामला खंडवा जिले के पिपलौद थाने के ग्राम जूनापानी का है। यहां एक तांत्रिक रहता है। वह जादू-टोने करता है और दावा करता है कि प्रेत बाधा से भी छुटकारा दिलाता है। शनिवार को उसके पास इटावा जिले से एक अनाज व्यापारी का परिवार तांत्रिक के पास पहुंचा था। परिजनों का मानना था कि व्यापारी पर कोई प्रेत बाधा है। व्यापारी कभी-कभी अजीब हरकत करने लगता है। डॉक्टरों को भी दिखाया पर कोई आराम नहीं मिला। तांत्रिक ने पहले तो कुछ पूजन किया। फिर व्यापारी से मारपीट करने लगा। सब चुपचाप देखते रहे। तांत्रिक व्यापारी को बेरहमी से पीट रहा था। कभी बाल पकड़कर घसीटता तो कभी लातें मारता, कभी सीने पर चढ़ जाता तो कभी गला दबाने लगता। उसने परिवार वालों को भरोसा दिलाया था कि वह ये मारपीट भूत से कर रहा है ताकि वह व्यापारी का शरीर छोड़ दे। इसलिए सभी खामोश खड़े व्यापारी को पिटता देखते रहे। वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने इसका वीडियो बना लिया, जो सोमवार को सामने आया है। व्यापारी के परिवार वाले लौट चुके हैं। पिपलौद थाना प्रभारी बलजीतसिंह बिसेन ने बताया कि फिलहाल मामले में कोई शिकायत नहीं हुई है।

फ्लाइट लेट हुई तो इंडिगो एयर के स्टाफ ने यात्रियों के लिए खेला गरबा

भोपाल ■ एजेंसी

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के राजा भोज हवाई अड्डे पर सोमवार को अलग ही नजारा देखने को मिला। यहां टर्मिनल के भीतर पहली बार स्टाफ ने यात्रियों के मनोरंजन के लिए गरबा नृत्य किया। इसका वीडियो वायरल हो रहा है।

बता दें कि इंडिगो एयर की 6ई, 7569 अहमदाबाद फ्लाइट कुछ कारणों से लेट हो रही थी। आमतौर यह फ्लाइट शाम 6.45 बजे रायपुर से आकर भोपाल से अहदाबाद रवाना होती है। सोमवार को यह उड़ान निर्धारित समय से 15 मिनट देरी से रवाना होने वाली थी। यात्रियों को इसके लिए इंतजार करना होता। उनके मनोरंजन के लिए इंडिगो एयर स्टाफ ने एक प्रयोग किया। एयरपोर्ट टर्मिनल के बोर्डिंग गेट पर सुरक्षाकर्मियों, यात्रियों को लेकर गरबा करने लगे।

बताया जा रहा है कि गरबे की योजना अचानक बनी थी। इंतजार के दौरान एक यात्री ने गरबा गीत बजाया तो माहौल बनने लगा। पहले स्टाफ ने शुरुआत की फिर यात्री, सुरक्षाकर्मी भी शामिल हो गए।

सीआइएसएफ की महिला कर्मचारी भी झूम उठीं। इसका कई लोग वीडियो बनात रहे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि पहले चार लोग गरबे की धुन पर थिरक रहे हैं, फिर अन्य यात्री भी शामिल हो जाते हैं। इधर इस मामले में ये बात भी उठने लगी कि क्या ये प्रोटोकॉल का उल्लंघन है, इस पर एयरपोर्ट प्रबंधन ने इनकार कर दिया।

डाक विभाग मात्र 396 रुपये के खर्च में लाया दस लाख की बीमा पॉलिसी

इन्दौर (एजेंसी)। भारतीय डाक विभाग की इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक में 396 रुपये सालाना की कीमत पर दुर्घटना पॉलिसी जारी की है। इस बीमा पॉलिसी में दुर्घटना मृत्यु स्थाई विकलांगता, आंशिक विकलांगता होने अथवा घटना में अंग-भंग होने या लकवा होने की स्थिति में दस लाख रुपए तक का क्लेम प्रदान किया जायेगा। दुर्घटना का शिकार होने पर अस्पताल में भर्ती बीमाधारक को आईपीडी इलाज के खर्च के लिए 60 हजार रुपये और मरहम पट्टी की जाने अथवा ओपीडी में इलाज की स्थिति में 30 हजार रुपये की राशि मुहैया कराई जाएगी। अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में 60 हजार रुपये के अतिरिक्त 10 दिनों तक एक हजार रुपए भी प्रतिदिन दिए जाएंगे। यदि बीमाधारक का परिवार अन्य शहर में रहता है तो उसके आने के लिए अधिकतम 25 हजार रुपए तक का टिकट खर्चा भी दिया जायेगा और दुर्भाग्य से बीमा धारक की मृत्यु हो जाती है तो पॉलिसी के तहत 5 हजार रुपए अंतिम क्रिया क्रम के लिए दिए जाने का प्रावधान भी रखा गया है। इसके साथ ही बीमा धारक की मृत्यु होने पर बीमा राशि दस लाख रुपये के अतिरिक्त बच्चों की पढाई के लिए एक लाख रुपये अलग से देने का प्लान है। योजना को लेकर भारतीय डाक विभाग द्वारा जगह-जगह डाक घरों में मेगा कैंप का आयोजन किया जायेगा। यह सुविधा किसी भी नज़दीकी डाक घर में पोस्टमैन द्वारा ली जा सकती है। ऐसे में आमजन अधिक से अधिक संख्या में अपने नजदीकी डाकघर में संपर्क कर बीमा करवायें।

इंदौर को अब वायु प्रदूषण और सिंगल यूज़ प्लास्टिक मुक्त शहर बनाएंगे : महापौर

इन्दौर (एजेंसी)। महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी ,आयुक्त श्रीमती प्रतिभा पाल, संभाग आयुक्त डॉक्टर पवन शर्मा, स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ला निगम के समस्त 19 सीएसआई 6 सफाई मित्र पूर्व अपर आयुक्त संदीप सोनी, अधीक्षण यंत्री महेश शर्मा एवं अन्य जनप्रतिनिधि स्वच्छता और 7 स्टार का अवार्ड लेकर एयरपोर्ट पर पहुंचे। एयरपोर्ट पर स्वच्छता का अवार्ड लेकर पहुंचे महापौर भार्गव का विधायक मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, महेंद्र हार्डिया, रमेश मेंदोला, एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने स्वागत किया। इसके बाद महापौर भार्गव एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौड़, अश्विनी शुक्ला, नंदकिशोर पहाड़िया, मनीष शर्मा, प्रिया डांगी एवं पार्षद गणों के साथ स्वच्छता रथ में सवार होकर एयरपोर्ट से बड़ा गणपति, राजमोहल्ला चौराहा, जवाहर मार्ग, गुरुद्वारा होते हुए राजवाड़ा पर जुलूस के रूप में पहुंचे। मार्ग पर विभिन्न संगठनों द्वारा मंच के माध्यम से पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। स्वच्छता अवार्ड को लेकर जुलूस के रूप में राजवाड़ा पहुंचे सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, आईडीए अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा, विधायक आकाश विजयवर्गीय एवं अन्य जनप्रतिनिधि राजबाड़ा पहुंचने के बाद अहिल्या उद्यान पहुंचे और देवी अहिल्याबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के साथ स्वच्छता अवॉर्ड को उनके चरणों में समर्पित किया। इसके बाद तिरंगे गुब्बारे छोड़कर स्वच्छता की जीत पर जश्न मनाया गया। इस अवसर पर महापौर परिषद सदस्य राजेंद्र राठौड़, नंदकिशोर पहाड़िया, मनीष शर्मा मामा, अभिषेक शर्मा, निरंजन सिंह चौहान, प्रिया डांगी, पार्षद कंचन गिदवानी, भावना चौधरी, श्रीमती हार्डिया, रूपाली पेठारकर, अपर आयुक्त मनोज पाठक, जनसंपर्क अधिकारी राजेंद्र गरोठिया, कार्यक्रम अधिकारी शैलेश पाटोदी, परिषद अधीक्षक प्रदीप दुबे एवं अन्य जनप्रतिनिधि गण उपस्थित थे। इस मौके पर विधायक आकाश विजयवर्गीय ने इंदौर के लगातार छटवी बार नंबर वन आने और मप्र के बड़े राज्यों में शीर्ष पर रहने को बड़ी उपलब्धि बताते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह और महापौर पुष्यमित्र भार्गव को बधाई दी। उन्होंने स्वच्छता में लगातार इंदौर के सिरमौर रहने का श्रेय सफाई मित्रों को देते हुए उनका अभिनंदन किया।

अहिल्या पुस्तकालय में पूर्व ग्रंथपाल श्री मोघे के जीवन पर आधारित संकलन लोकार्पित

इन्दौर (एजेंसी)। शा. श्री अहिल्या केन्द्रीय पुस्तकालय के ग्रंथपाल रहे वासुदेव शिवराम मोघे के जीवन पर आधारित संकलन का विमोचन माननीय महापौर पुष्यमित्र भार्गव, गुरुजी श्रीराम कोकजे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे, संयुक्त संचालक श्रीमती सुचित्रा तिरकी बेग, सुषमा त्रिवेदी, प्रीतमलाल दुआ, आई. आर कुमार आदि के करकमलों से प्रीतमलाल दुआ सभाग्रह में किया गया।

वासुदेव मोघे की पुत्र वधु वरिष्ठ साहित्यकार सुषमा मोघे ने इस संकलन को तैयार किया है। सुषमाजी ने बताया कि वासुदेव मोघे 1942 से 55 तक जनरल लायब्रेरी राजवाड़ा के सेक्रेटरी और 1955 से 65 तक केन्द्रीय पुस्तकालय ग्वालियर और फिर सन् 1965 से 1973 तक शा. अहिल्या केन्द्रीय पुस्तकालय, इन्दौर के ग्रंथपाल रहे।

वे पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. रंगनाथन के प्रमुख शिष्य थे। पुस्तकालय विज्ञान के श्री मोघे प्रथम स्नातकोत्तर थे। 15 मई 1988 को 85 वर्ष की उम्र में उनका देहावसान इन्दौर में हुआ।

संपादन मुकेश इन्दौरी ने किया। संचालन वर्तमान क्षेत्रीय ग्रंथपाल लिली डावर ने किया। इस अवसर पर शहर के कई गणमान्यजनों के साथ वासुदेव मोघे की बेटी लतिका सप्रे भी उपस्थित थी। अहिल्या पुस्तकालय के क्षेत्रीय ग्रंथपाल रहे श्री मोघे के जीवन संकलन का विमोचन अहिल्या पुस्तकालय में ही किया गया।